

ओष्ठरति स्त्री. (तत्.) मनो. ओठों के चुंबन से जागृत काम-आवेग या काम-संवेदना।

ओष्ठाकार वि. (तत्.) ओठ के आकार वाला।

ओष्ठागत वि. (तत्.) जो ओठों तक आया हो।

ओष्ठाधर पुं. (तत्.) ओष्ठ और अधर (ऊपर का ओठ और नीचे का अधर)।

ओष्ठी स्त्री. (तत्.) बिम्बफल (कुंदरु) टि. ओठों की तुलना बिम्बफल से की जाती है और इसी कारण बिम्बफल को ओष्ठी कहते हैं।

ओष्ठ्य वि. (तत्.) ओठ से संबंधित; ओष्ठों से उच्चरित; जैसे- ओष्ठ्य वर्ण।

ओष्ठ्यवर्ण पुं. (तत्.) भाषा. वर्ण जिनके उच्चारण में ओठों की सहायता लेनी पड़ती है, जैसे- उ, ऊ, प, फ, ब, भ, म।

ओष्ण वि. (तत्.) कुनकुना, थोड़ा गर्म, गुनगुना।

ओस स्त्री. (तद्.) हवा में मिली हुई भाप जो रात में सर्दियों से संतृप्त होकर जल-बिंदु के रूप में पदार्थों पर लग जाती है, शबनम। कृषि. वायु मंडलीय नमी की छोटी-छोटी द्रवीभूत बूँदें जो पत्तों, मिट्टी आदि की सतह पर एकत्रित हो जाती हैं। dew

ओसर स्त्री. (तद्.) 1. गर्भधारण करने योग्य बछिया या भैंस की पड़िया 2. अवसर, मौका 3. समय।

ओसांक पुं. (तद्.+तत्.) भौ. वह ताप जिस पर वायु जलवाष्प संतृप्त होती है जिससे कम तापमान होने पर जल-वाष्प ओस की बूँदों में बदल जाती हैं। dew point

ओसाई स्त्री. (देश.) गेहूँ आदि को सूप या टोकरी में भरकर बहती हवा में ऊपर उठाकर नीचे गिराने की क्रिया जिसमें भूसा उड़ जाता है, हवा उड़ाकर अनाज की भूसे से अलग करने की क्रिया।

ओसाई मशीन स्त्री. (देश.+अं.) कृषि. मशीन जिसमें एक या दो छन्नियाँ और एक पंखा लगा होता है, जिससे हवा फेंक कर दाने और भूसे को अलग-अलग किया जाता है। winnower

ओसान पुं. (तद्.) समाप्ति, अवसान, अंत।

ओसाना स.क्रि. (देश.) 1. भूसा मिले अनाज का हवा में ऊँचाई से गिरा कर दाने को भूसे आदि से अलग करना 2. चावल के उबलने के बाद अतिरिक्त जल से अलग करना।

ओसार पुं. (तद्.) 1. फैलाव, आगे का विस्तार, चौड़ापन 2. मकान के आगे का ओसारा या दालान, बरामदा।

ओसारी स्त्री. (तद्.) मकान के आगे बनी बैठक या दालान।

ओह अव्य. (तद्.) 1. आश्चर्यसूचक शब्द 2. दुख-सूचक शब्द, अहो, आह।

ओहदा पुं. (अर.) सैवि. 1. पद, पदवी, समान स्तर के एकाधिक पद भले ही उन पदों के नाम (पदनाम) अलग हों, जैसे- लेफ्टिनेंट (थल सेना), फ्लाइंग ऑफिसर (वायु सेना), सब लेफ्टिनेंट (नौ सेना)। rank

ओहदेदार पुं. (अर.+फा.) हाकिम, अधिकारी, पदाधिकारी।

ओहना स.क्रि. (देश.) कृषि. पके अनाज के डंठलों को ऊपर उठाकर हिलाते हुए उनके दाने नीचे गिराना।

ओहरना अ.क्रि. (तद्.) बढ़ती हुई चीज की कमी होना या घटना।

ओहार पुं. (देश.) पालकी या रथ को ढँकने वाला पर्दा।

ओहो अव्य. (तद्.) 1. प्रसन्नता, आनंदसूचक शब्द 2. आश्चर्य सूचक शब्द।